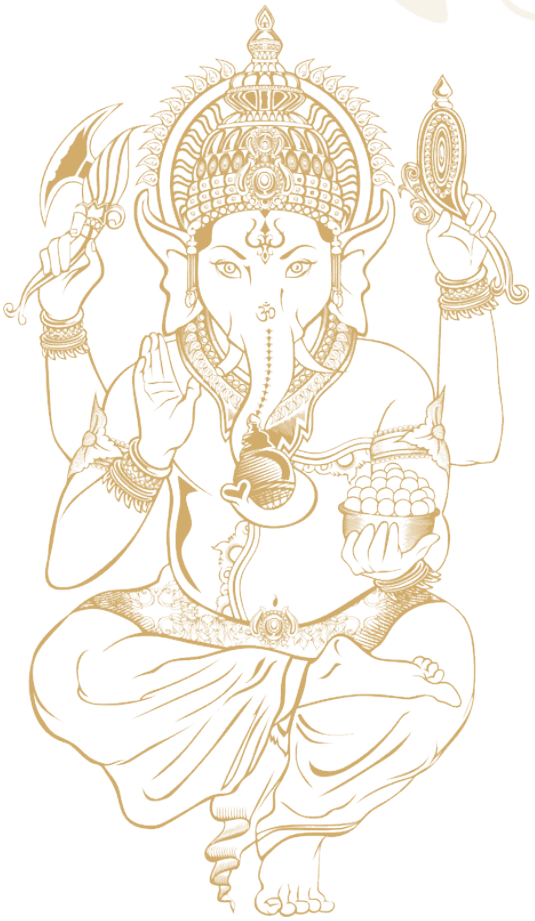

Esha

31 Mar 2006

05:58 AM

Bijnaur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121537303

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**30-31/03/2006**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**05:58:00 घंटे**
इष्ट	59:54:38 घटी
स्थान	**Bijnaur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:44:00 उत्तर
रेखांश	80:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:51:36 घंटे
वेलान्तर	-00:04:33 घंटे
साम्पातिक काल	18:24:36 घंटे
सूर्योदय	06:00:08 घंटे
सूर्यास्त	18:22:13 घंटे
दिनमान	12:22:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	16:12:51 मीन
लग्न के अंश	14:36:45 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वैधृति
करण	कौलव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चो-चोखी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	14:36:45	500:12:04	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	---
सूर्य			मीन	16:12:51	00:59:17	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	08:09:11	14:31:58	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
मंगल			वृष	28:02:55	00:33:53	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	सम राशि
बुध			कुंभ	20:34:13	00:28:10	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
गुरु	व		तुला	23:51:50	00:04:41	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मक	29:48:00	01:01:18	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	मित्र राशि
शनि	व		कर्क	10:27:35	00:00:37	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	10:24:30	00:00:29	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	सम राशि
केतु	व		कन्या	10:24:30	00:00:29	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	18:25:20	00:03:08	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	---
नेप			मक	25:08:32	00:01:36	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो	व		धनु	02:48:39	00:00:03	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	11:42:01	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:38

लग्न-चलित

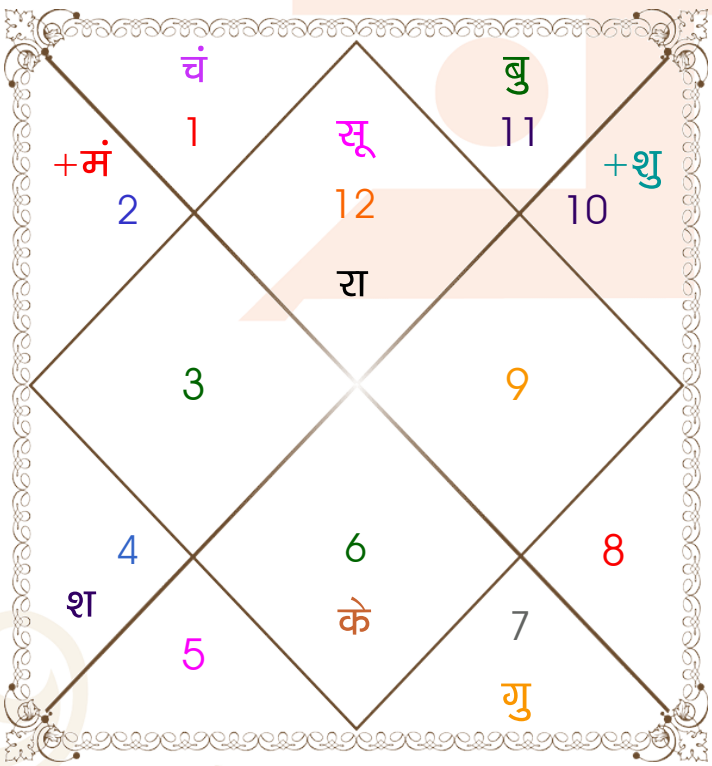

चन्द्र कुंडली

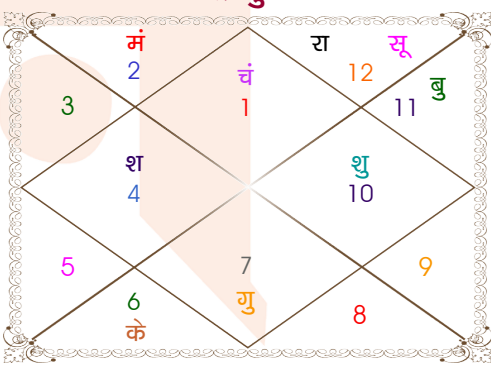

नवमांश कुंडली

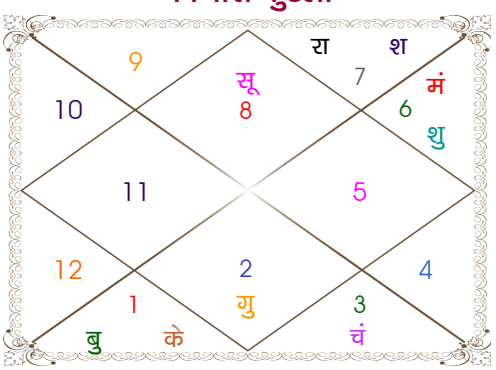

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 8 मास 19 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
31/03/2006		18/12/2008		18/12/2028		19/12/2034		18/12/2044	
18/12/2008		18/12/2028		19/12/2034		18/12/2044		19/12/2051	
	00/00/0000	शुक्र	19/04/2012	सूर्य	07/04/2029	चंद्र	19/10/2035	मंगल	16/05/2045
	00/00/0000	सूर्य	19/04/2013	चंद्र	06/10/2029	मंगल	19/05/2036	राहु	04/06/2046
	00/00/0000	चंद्र	19/12/2014	मंगल	11/02/2030	राहु	18/11/2037	गुरु	11/05/2047
	00/00/0000	मंगल	18/02/2016	राहु	06/01/2031	गुरु	20/03/2039	शनि	18/06/2048
	00/00/0000	राहु	17/02/2019	गुरु	25/10/2031	शनि	18/10/2040	बुध	16/06/2049
	31/03/2006	गुरु	18/10/2021	शनि	06/10/2032	बुध	20/03/2042	केतु	12/11/2049
गुरु	12/11/2006	शनि	18/12/2024	बुध	13/08/2033	केतु	19/10/2042	शुक्र	12/01/2051
शनि	22/12/2007	बुध	19/10/2027	केतु	18/12/2033	शुक्र	18/06/2044	सूर्य	20/05/2051
बुध	18/12/2008	केतु	18/12/2028	शुक्र	19/12/2034	सूर्य	18/12/2044	चंद्र	19/12/2051

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
19/12/2051		18/12/2069		18/12/2085		19/12/2104		19/12/2121	
18/12/2069		18/12/2085		19/12/2104		19/12/2121		00/00/0000	
राहु	31/08/2054	गुरु	06/02/2072	शनि	21/12/2088	बुध	18/05/2107	केतु	18/05/2122
गुरु	24/01/2057	शनि	19/08/2074	बुध	31/08/2091	केतु	14/05/2108	शुक्र	18/07/2123
शनि	01/12/2059	बुध	24/11/2076	केतु	09/10/2092	शुक्र	15/03/2111	सूर्य	22/11/2123
बुध	19/06/2062	केतु	31/10/2077	शुक्र	10/12/2095	सूर्य	19/01/2112	चंद्र	23/06/2124
केतु	08/07/2063	शुक्र	01/07/2080	सूर्य	21/11/2096	चंद्र	20/06/2113	मंगल	19/11/2124
शुक्र	07/07/2066	सूर्य	19/04/2081	चंद्र	22/06/2098	मंगल	17/06/2114	राहु	07/12/2125
सूर्य	01/06/2067	चंद्र	19/08/2082	मंगल	01/08/2099	राहु	03/01/2117	गुरु	01/04/2126
चंद्र	30/11/2068	मंगल	26/07/2083	राहु	08/06/2102	गुरु	11/04/2119		00/00/0000
मंगल	18/12/2069	राहु	18/12/2085	गुरु	19/12/2104	शनि	19/12/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 8 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर लग्नोदय के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। अंत में आपके जीवन की परियोजना की आकृति आपको विपुल संपत्ति से युक्त एवं समृद्धिशाली बनाती है। परंतु आपके सामने अबरुद्धता पेश आएगी। यह अवरुद्धता अनिश्चितता की ओर सूचित करती है तथा वृश्चिक नवमांश बिन्दु संभावित मनोवृति के अनुसार आपको अर्थहीन एवं रोगादि की सूचना देते हैं। परंतु आपकी जन्म यह सूचित करती है कि आपका जन्म नवमांश प्रभाव एवं जन्मराशि तथा भाग्य के मध्य प्रतिद्वन्द्विता उत्पन्न करता है। अंत में जन्म लग्न मीन एवं उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र यह दोनों अपनी शुभता के अनुसार आपके जीवन को स्वस्थ, धनी, आनंदायक बनाने के लिए बचन बद्ध होकर आशांवित करता है।

इसलिए परिस्थिति के अनुकूल आपकी पकड़ के प्रभाव से आपकी संपूर्ण उन्नति संभाव्य है जबकि आप अवरोधक तत्व को जीवन की सफलता हेतु हटा दे। आपमें इन मुद्दों को संघर्ष पूर्वक निरस्तर एवं पराजित करने के आवश्यक गुण विद्यमान है। आप निश्चित रूप से उभर कर उच्च पद प्राप्त करेंगी। आपको अपनी दो विशेषताओं का परित्याग करना पड़ेगा। वासना एवं आकर्षित होना यह दोनों आदतें बुरी हैं। आपके जीवन में वासना के प्रति सम्मोहित हो जाना तथा रूचिवान बनना महत्त्वपूर्ण वस्तु है, तथा मद्यपान के प्रति बहुत अधिक प्रभावित होना। यह एक शाप के समान है। आप सावधानी पूर्वक इस प्रवृति का परित्याग करें। अन्यथा आप इन चीजों में आसक्त हो जाएंगी।

यदि आप इन दो नकारात्मक वस्तुओं पर विजय प्राप्त कर ली तो निश्चित रूप से सुखद बात-चीत के योग्य अपना जीवन व्यतीत कर सकती हैं तथा धन्नादि के संबंध में बहुत प्राप्ति कर सकेंगी। परंतु आपको अपनी फिजूल खर्चीली प्रवृति के प्रति विमुख होना होगा। यदि इसी प्रकार की फिजूल खर्ची के माध्यम से धन बाहर निकलता रहा तो आपकें धन प्राप्ति के माध्यम दुर्बल हो जाएंगे। इस प्रकार यदि आप अपने जीवन में एक मत से अपने कार्य व्यवसाय के प्रति सुनिश्चित होकर कार्यान्वित करती रहे तो आप अपने कार्य-व्यवसाय में उच्चता प्राप्त कर सकती हैं। आप एक प्यारे पति आज्ञाकारी पुत्र एवं प्रपौत्र के साथ प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन यापन करेंगी।

आप अच्छी प्रकार बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने अधिनस्थ प्रबंध व्यवस्था कर ली तो आप समाज में विख्यात एवं प्रतिष्ठित होंगी। आप सर्वथा अपनी मित्र मंडली के साथ संबंधित रहेंगी। लेकिन आपके सतर्कतापूर्वक यह अंगीकृत करना चाहिए कि आपके कुछ मित्र कुटिलतापूर्वक आपके विरुद्ध आचरण करेंगे। अतएव सर्वप्रथम उनकी मनोवृति का गहन अध्ययन कर के ही उन पर विश्वास किया जाए।

वैसे मीन राशीय प्राणी सामान्यतः भावुक होते हैं परंतु आप इस प्रवृति से परे हैं। यह गुण आपको आश्चर्यजनक स्तर का निर्माण कराता है। इस प्रकार यदि आप

बुद्धिमत्तापूर्वक काव्य की रचना अथवा चित्रकारिता अथवा गायन के प्रति रूचिवान रही तो एक सफल गायक कलाकार हो सकती हैं तथा कलाकारिता के क्षेत्र में चमत्कृत हो सकती हैं। आप हर दृष्टिकोण से धार्मिक बुद्धि की महिला हैं। आप भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखती हैं। यदि आप बार-बार या सतत धार्मिक आचरण करती रही तो जीवन में आपकी महत्वकांक्षा विकसित होगी तथा पुर्नजन्म के बंधन से मुक्त हो कर मोक्ष की प्राप्ति करेंगी।

यदि आप अपने जीवन पथ पर किसी भी प्रकार से अग्रसर होना चाहती हैं तो उत्तम यह है कि निम्नांकित निर्देशों का पालन करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार का दिन भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन प्रतिकूल है। इन दिनों किसी भी प्रकार का महत्त्वपूर्ण कार्य अथवा व्यवसाय आदि का निर्णय या व्यवहार न करें।

आप रंगों में नीले रंग को छोड़ कर शेष रंग लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग का उपयोग अपने जीवन में करें। ये रंग आपके हित अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।